तापमान
अधिकतम 29 डिग्री
न्यूनतम 19 डिग्री

हरिभूमि
वनांचल भूमि
रायपुर, सोमवार 26 अक्टूबर 2026

बस्तर | दंतेवाड़ा | बीजापुर | सुकमा | कांकेर | कोण्डागांव | नारायणपुर

10 विधायक टेकाम के निवास पर ग्रामीणों ने सुनी 'मन की बात',



11 रावण दहन के साथ नवरात्रि उत्सव का समापन



खबर संक्षेप

नवोदय के तीसरे मॉक टेस्ट में 551 बच्चे शामिल

जगदलपुर। जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा में जिले के बच्चों का बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर आकाश छिकारा की विशेष पहल पर शनिवार को तीसरे मॉक टेस्ट का आयोजन किया गया। मेधावी विद्यार्थियों को सही दिशा और मार्गदर्शन देने के उद्देश्य से प्रत्येक विकासखंड से शीर्ष 100-100 बच्चों का चयन किया गया था। इस मॉक टेस्ट में चयनित कुल 700 विद्यार्थियों में से 551 परीक्षार्थी शामिल हुए।कलेक्टर के प्रयासों से पूर्व में इन सभी मेधावी बच्चों को उत्कृष्ट तैयारी के लिए निःशुल्क अध्ययन सामग्री व पुस्तकें उपलब्ध कराई गई हैं, साथ ही वे स्वयं बच्चों से संवाद कर उनका हौसला बढ़ा रहे हैं और उनके संशय दूर करने के लिए विशेष सत्र आयोजित करवा रहे हैं। शनिवार को अवकाश के कारण जो परीक्षार्थी केंद्र पर नहीं पहुंच सके, उनकी तैयारी प्रभावित न हो इसके लिए भी कलेक्टर के निर्देशानुसार संबंधित स्कूलों में सीधे प्रश्न-पत्र भेजकर हल कराने की व्यवस्था की जा रही है, ताकि अंतिम परीक्षा से पहले हर बच्चे का समय प्रबंधन और आत्मविश्वास मजबूत हो सके।

गढ़िया शक्ति केंद्र में प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम का सामूहिक श्रवण

जगदलपुर। चित्रकोट विधानसभा क्षेत्र के गढ़िया शक्ति केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 139वें एपिसोड को भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से सुना । सरपंच ने कहा प्रधानमंत्री के विचार जन-जन तक पहुंचाने एवं राष्ट्रसेवा के संकल्प को सशक्त बनाने की दिशा में मन की बात कार्यक्रम हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। इस अवसर पर भाजपा गढ़िया शक्ति केंद्र प्रभारी भरत कश्यप, भाजपा मंडल महामंत्री सावेंद्र सेठिया, निरंजन बघेल, चेतन ग्वाल, तुलसी सेठिया, सुखदेव सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) 2.0 की रायपुर में बैठक

जगदलपुर । जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के संगठनात्मक पुनर्निर्माण, कार्यकर्ताओं के विश्वास की बहाली तथा आगामी 2028 विधानसभा चुनाव की रणनीति को लेकर आज रायपुर में प्रदेश स्तरीय बैठक की गई। बैठक प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी के नेतृत्व में तथा प्रदेश उपाध्यक्ष नवनीत चांद की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों के प्रमुख पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में पार्टी के संगठन की वास्तविक स्थिति का तथ्य-आधारित आकलन करने, पुराने कार्यकर्ताओं को पुनः सक्रिय करने, जिम्मेदारियों का स्पष्ट निर्धारण करने तथा संगठन को जिला, विधानसभा, नगरीय निकाय और बूथ स्तर तक मजबूत बनाने पर विस्तार से चर्चा हुई।

काछनदेवी से मिले सांसद, पीहू को जल्द राष्ट्रपति से मिलाने किया आश्वस्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

लालबाग में राष्ट्रपति से काछनदेवी की जगह प्रतिकात्मक काछनदेवी को मिलाने से नाराज पनका समाज से मिलने रविवार को सांसद महेश कश्यप काछनगुड़ी पहुंचे और समाज के लोगों से चर्चा की। सांसद ने पनका समाज व काछनदेवी को आश्वस्त किया कि नवम्बर के अंतिम सप्ताह में राष्ट्रपति से मिलाने पूरा प्रयास करूगां।

गौरतलब है कि राष्ट्रपति के बस्तर प्रवास के दौरान लालबाग में काछनदेवी की जगह प्रतिकात्मक काछनदेवी से मिलाने पर काछनदेवी व पनका समाज ने नाराजगी व्यक्त किया था। पनका समाज की नाराजगी को देखते हुए रविवार को सांसद महेश कश्यप काछनगुड़ी पहुंचे। काछनदेवी व पनका समाज के प्रतिनिधिमण्डल से चर्चा की। सासंद ने कहा कि काछनदेवी की अनुमति से दशहरा निर्विघ्न रूप से सम्पन्न होती है। अलग अलग समाज की तरह पनका समाज भी वर्षों से इस दायित्व का निर्वहन करते आ रहे है। सांसद ने कहा कि त्रुटिवश उनका नाम नहीं होने से राष्ट्रपति से काछनदेवी नहीं मिल सकी। समाज की मांग के अनुरूप मै उनकी मांग को पूरी करने केन्द्र सरकार के माध्यम से समाधान करने पूरा प्रयास करूंगा और लोकसभा में भी इस सवाल को रखूंगा। इस परम्परा का निर्वहन के साथ आस्था क सैलाब के बीच ये उपस्थित रहते हैं। आने वाले समय में भी सांसद व दशहरा समिति अध्यक्ष के रूप में उनकी मांग को पूरा करने प्रयास करूगां।

खास बातें

- सांसद ने कहा- हमारी सरकार पनका समाज की मांग का करेगी समाधान
- बस्तर के विकास में पनका समाज का बड़ा योगदान: कश्यप



सांसद से हुई मुलाकात: काछनदेवी पीहू

काछनदेवी पीहू दास ने हरिभूमि से चर्चा में बताया कि सांसद महेश कश्यप से आज उनकी मुलाकात हुई है। उन्हें बताया कि वे राष्ट्रपति से नहीं मिल पाई। इस पर सांसद ने नवम्बर माह के आखरी सप्ताह में उन्हें राष्ट्रपति से मिलने आश्वासन दिया है। काछनगुड़ी के मुख्य पुजारी गणेश दास व पीहू की बुआ वंदना दास ने बताया कि लालबाग में राष्ट्रपति से दूसरी कन्या को मिलाया गया जो गलत बात है। उन्होंने कहा कि काछनदेवी हमारी कुल देवी है और यहां हमारा अपमान हुआ है। हमने हमारी शिकायत सांसद के सामने रखी है और सांसद ने जल्द ही काछनदेवी को राष्ट्रपति से मिलाने आश्वस्त किया है।

65 से बढ़कर 135 लीटर प्रतिदिन होगी प्रति व्यक्ति पेयजल की उपलब्धता

मारकंडी नदी से शहर तक पहुंचेगा पानी, बस्तर जलप्रदाय योजना के लिए मिले 57.71 करोड़

राज्य शासन ने बस्तर जिले के नगर पंचायत बस्तर में शुद्ध और सुरक्षित पेयजल के लिए नई जलप्रदाय योजना को मंजूरी दी है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के राज्य शहरी विकास अभिकरण ने अमृत मिशन 2.0 के अंतर्गत बस्तर की नई जलप्रदाय योजना के लिए 57 करोड़ 71 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

इस महत्वाकांक्षी योजना के पूरा होने के बाद शहर में प्रति व्यक्ति प्रतिदिन पेयजल की उपलब्धता मौजूदा 65 लीटर से बढ़कर 135 लीटर हो जाएगी। यानी हर व्यक्ति को रोजाना 70 लीटर अतिरिक्त शुद्ध पेयजल मिल सकेगा। योजना के तहत शहर में करीब 73 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाई जाएगी और 2700 से अधिक घरेलू नल कनेक्शन प्रदान किए जाएंगे। इससे शहर में पेयजल वितरण व्यवस्था मजबूत होने के साथ ही लोगों को घरों तक पर्याप्त शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

- मिशन अमृत के तहत बस्तर नगर पंचायत के लिए जल आपूर्ति की नई व्यवस्था

बस्तर जलप्रदाय योजना के लिए मारकंडी नदी के चपका एनीकट में इंटेकवेल का निर्माण किया जाएगा। वहां से रॉ-वॉटर पाइपलाइन के जरिए नदी का पानी जल शोधन संयंत्र तक पहुंचाया जाएगा। संयंत्र में पानी के शुद्धिकरण के बाद इसे बस्तर शहर में पेयजल आपूर्ति के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। इस तरह नदी से पानी लेने, उसका शुद्धिकरण करने और घरों तक पहुंचाने की पूरी व्यवस्था विकसित की जाएगी। बस्तर की इस नई जलप्रदाय योजना से शहर की पेयजल व्यवस्था में बड़ा बदलाव आएगा।



प्रति व्यक्ति औसत में होगी बढ़ोत्तरी

वर्तमान में वहां प्रत्येक व्यक्ति को औसतन 65 लीटर प्रतिदिन पेयजल उपलब्ध हो रहा है। नई योजना के पूर्ण होने पर यह मात्रा बढ़कर 135 लीटर प्रतिदिन हो जाएगी। इससे घरेलू जरूरतों के लिए पानी की उपलब्धता बढ़ेगी और नागरिकों को पर्याप्त शुद्ध पेयजल मिलेगा। योजना का काम जून-2028 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। योजना के अंतर्गत तीन एमएलडी क्षमता का जल शोधन संयंत्र स्थापित किया जाएगा। इसके साथ ही 500 किलोलीटर क्षमता का एक उच्च स्तरीय जलागार भी बनाया जाएगा। शहर में पेयजल वितरण के लिए 73 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाई जाएगी। कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही और अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

जस्टिस पांडेय ने किया जिला न्यायालय का निरीक्षण



हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

न्यायमूर्ति राकेश मोहन पाण्डे न्यायाधीश छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने जिला न्यायालय जगदलपुर का निरीक्षण किया । इस दौरान ग्रन्थालय, अभिलेखागार, मा ल खा ना अनुभाग का निरीक्षण कर निर्देश दिए। वहीं प्रत्येक न्या या ल य कक्ष का भी निरीक्षण किया। प्रत्येक न्यायालय में लंबित एवं नियत प्रकरणों के साथ-साथ निराकृत प्रकरणों की जानकारी ली गई। इसके अतिरिक्त अभिलेखों के डिजिटलीकरण प्रक्रिया के अंतर्गत स्थापित डिजिटाईजेशन कक्ष का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया । अंत में न्यायमूर्ति ने जिला न्यायालय के समस्त न्यायधीशों के साथ बैठक कर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। न्यायमूर्ति श्री पाण्डे ने न्यायाधीशों को पुराने प्रकरणों विशेषकर 5 वर्ष एवं 10 वर्ष से लंबित प्रकरणों का त्वरित निराकरण किये जाने के लिए निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान जिला न्यायालय जगदलपुर के समस्त न्यायिक अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहें ।

- न्यायाधीशों यक 5 वर्षों से अधिक समय से लंबित प्रकरणों की ली जानकारी



चक्रवात का असर, बस्तर में 'ऑरेंज अलर्ट' जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

मौसम विभाग द्वारा उत्तरी आंध्र प्रदेश तट पर संभावित चक्रवाती तूफान के लैंडफॉल की चेतावनी और समूचे प्रदेश के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी होते ही जिला प्रशासन सजगता बरत रहा है। 27 अक्टूबर से सुकमा एवं दंतेवाड़ा सहित पूरे संभाग में बारिश की संभावना को देखते हुए कलेक्टर आकाश छिकारा ने जिले में सुरक्षा और आपदा प्रबंधन के पुख्ता इंतजाम शुरू कर दिए हैं। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया है कि आपदा की स्थिति में किसी भी प्रकार की जनहानि को रोकना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए सर्व संबंधित विभागों के अधिकारी समन्वय स्थापित कर धरातल पर आपदा प्रबंधन के लिए तैयार रहें और मैदानी अमले को भी सतर्क रखें।कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले में आपदा से निपटने के लिए जिला और तहसील स्तर पर नियंत्रण कक्षों को 24 घंटे सक्रिय कर दिया गया है, जहां से मौसम की बदलती परिस्थितियों और चेतावनियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। इसके साथ ही राजस्व, पुलिस, नगर निगम, पंचायत, स्वास्थ्य और विद्युत जैसे आवश्यक सेवा विभागों को परस्पर समन्वय के साथ हाई अलर्ट पर रखा गया है, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति में तत्काल सहायता पहुंचाई जा सके।

आपदा मोचन बल और होमगार्ड के जवान रहेंगे तैयार

किसी भी आपात बचाव अभियान के लिए राज्य आपदा मोचन बल और होमगार्ड के जवानों को बोट, कटर तथा अन्य जरूरी जीवनरक्षक उपकरणों के साथ तैयार रहने को कहा गया है। इसके अलावा जल संसाधन विभाग को सभी प्रमुख जलाशयों और बांधों के जलस्तर पर पैनी नजर रखने की जिम्मेदारी दी गई है, ताकि जल निकासी की आवश्यकता पड़ने पर निचले बहाव क्षेत्र के रहवासियों को समय रहते सचेत किया जा सके।कलेक्टर ने आम नागरिकों तक मौसम और सुरक्षा संबंधी चेतावनियों को बिना किसी देरी के पहुंचाने के निर्देश दिए हैं, साथ ही आम जनता से भी अपील की है कि वे खराब मौसम के दौरान नदी-नालों और जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहें और प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षा मानकों का पालन करें।

कृषि विश्वविद्यालय ने खड़ी फ़सल की अभी कटाई नहीं करने की अपील की

जगदलपुर। दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने कम दबाव के क्षेत्र के कारण पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में एक तीव्र चक्रवाती तूफान सक्रिय हो रहा है, जिसकी गति 115 से 140 किलोमीटर प्रति घंटा तक रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार 25 अक्टूबर को बस्तर संभाग के बस्तर, दंतेवाड़ा और सुकमा जिलों में कहीं-कहीं 204 मिमी से अधिक भारी वर्षा होने का अनुमान जताया गया है। इसके साथ ही बालोद, मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी, कांकेर, बीजापुर, कोण्डागांव और नारायणपुर में भारी से बहुत भारी वर्ष की संभावना जताई है। बस्तर में भारी वर्षा के खतरे को देखते हुए बस्तर कलेक्टर आकाश छिकारा ने प्रशासनिक अमले को पूरी तरह सतर्क रहने और स्थिति पर निरंतर नजर बनाए रखने के निर्देश दिए हैं, ताकि आमजन और किसानों को किसी भी आपात स्थिति में तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

बारिश में पेड़ों के नीचे न जाने की हिदायत : कृषि विश्वविद्यालय ने सलाह दी है कि धान, दलहन और तिलहन की खड़ी फसल यदि पकने की स्थिति में है, तो आगामी 2 से 4 दिनों तक कटाई न करें, और जिन फसलों की कटाई हो चुकी है, उन्हें फौरन सुरक्षित व सूखे स्थानों पर रखें। खेतों में जलभराव रोकने के लिए जल निकासी की तुरंत व्यवस्था करने तथा उतेरा फसल (तिवरा या अलसी) और रबी की बुवाई को फिलहाल टालकर नवंबर के पहले सप्ताह से शुरू करने को कहा गया है। इसके अलावा तेज हवाओं से बचाव हेतु करेला व लौकी जैसी लताओं के लिए स्टेकिंग करने, केले के पौधों को बांस का सहारा देने, ओलावृष्टि से बचाव के लिए जाली का उपयोग करने तथा मवेशियों को सूखे स्थानों पर रखने और वज्रपात के खतरे के कारण बारिश में पेड़ों के नीचे न जाने की स्पष्ट हिदायत दी गई है।

कृषकों ने जनहित में त्यागा अपना हित

ओडिशा सीमा पर भालूगुड़ा एनीकट के सभी 38 जलद्वार खोले गए

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

आगामी 27 एवं 28 अक्टूबर को संभावित चक्रवाती वर्षा एवं बाढ़ की आशंका को दृष्टिगत रखते हुए छत्तीसगढ़ जल संसाधन विभाग ने पड़ोसी राज्य ओडिशा के प्रति संवेदनशीलता एवं सहयोग का परिचय देते हुए अंतरराज्यीय सीमा पर स्थित भालूगुड़ा एनीकट के सभी 38 जलद्वार पूर्णतः खोल दिए हैं।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ शासन की नीति के अनुरूप वर्षा ऋतु समाप्त होने के पश्चात 15 सितंबर तक प्रदेश की एनीकट योजनाओं के जलद्वार स्थानीय निस्तारी, सिंचाई एवं भूजल पुनर्भरण के उद्देश्य से बंद कर दिए जाते हैं। बस्तर क्षेत्र में भी इस व्यवस्था का पालन किया गया था। भालूगुड़ा एनीकट के कुल 38 जलद्वारों में से 28 पूर्व से क्रियाशील थे, जबकि शेष 10 जलद्वार स्थानीय निस्तारी हेतु जल संचयन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बंद रखे गए थे। किंतु संभावित चक्रवाती आपदा एवं ओडिशा जल संसाधन विभाग के विशेष आग्रह को देखते हुए छत्तीसगढ़ जल संसाधन विभाग की विद्युत एवं यांत्रिकी शाखा, बस्तर द्वारा ओडिशा जल संसाधन विभाग एवं एनएमडीसी के समन्वय से शेष 10 जलद्वार भी खोल दिए गए। छत्तीसगढ़ जल संसाधन विभाग की यह पहल न केवल संभावित आपदा के प्रति सजगता एवं अंतरराज्यीय सहयोग का उदाहरण है, बल्कि यह संदेश भी देती है कि मानवीय संवेदनशीलता, जनसुरक्षा एवं पड़ोसी धर्म के निर्वहन में राज्यों की सीमाएँ बाधक नहीं बन सकतीं।



जल संसाधन विभाग व जिला प्रशासन ने दी समझाइश

अधीक्षण अभियंता जल संसाधन इंद्रावती परियोजना मंडल जगदलपुर वेदप्रकाश पांडे ने इस बारे में बताया कि उक्त कार्यवाही के दौरान स्थानीय कृषकों ने जल संचयन एवं निस्तारी की आवश्यकताओं को लेकर प्रारंभ में विरोध व्यक्त किया। किंतु जल संसाधन विभाग एवं स्थानीय प्रशासन द्वारा संभावित आपदा की गंभीरता तथा पड़ोसी राज्य के नागरिकों की सुरक्षा का महत्व समझाए जाने पर कृषकों ने व्यापक जनहित को सर्वोपरि रखते हुए सभी जलद्वार खोलने की सहर्ष सहमति प्रदान की। बस्तर के कृषकों का यह संवेदनशील एवं उदार निर्णय भारतीय संस्कृति के महान आदर्श 'परहित सरिस धरम नहि भाई' की भावना को चरितार्थ करता है।

वोट बचाओ-देश बचाओ अभियान, चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर उठाए सवाल

मतदाता सूची की कथित गड़बड़ियों की हो जांच

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

कांग्रेस के देशव्यापी 'वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान के तहत रविवार को राजीव भवन में पत्रकार वार्ता के दौरान अभियान के बस्तर जिला शहरी प्रभारी एवं नारायणपुर के पूर्व विधायक चंदन कश्यप तथा ग्रामीण प्रभारी देवचंद मातलाम ने संयुक्त रूप से मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता और प्रत्येक पात्र नागरिक के मताधिकार की सुरक्षा जरूरी है। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने की प्रक्रिया, दोहरे पंजीकरण तथा चुनावी आंकड़ों की पारदर्शिता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। कांग्रेस नेताओं ने महाराष्ट्र, कर्नाटक और हरियाणा में मतदाता सूची से जुड़े मामलों का उल्लेख करते हुए कथित अनियमितताओं की जांच की मांग की। उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मतदाता सूची से हटाए गए नामों, लंबित अपीलों और रिकॉर्ड में संभावित विसंगतियों का विवरण सार्वजनिक करने पर जोर दिया। उनका कहना था कि राजनीतिक दलों को मतदाता सूची से संबंधित आंकड़े समय पर और पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराए जाने चाहिए। मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया में किए गए बदलावों पर भी आपत्ति जताई गई।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर बस्तर जिला शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य, प्रेमशंकर शुक्ल, पूर्व विधायक रेखचंद जैन, अभिषेक नायडू, सुभाष गुलाटी, बालेश दुबे, रविशंकर तिवारी, बलराम यादव, सुनीता सिंह सहित अन्य कांग्रेसी उपस्थित रहे।



जिला और बूथ स्तर पर चलेगा अभियान

कांग्रेस 'वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान के तहत जिला और बूथ स्तर पर जनजागरूकता कार्यक्रम चलाएगी। इसके अंतर्गत मतदाता सूची का सत्यापन, गांवों में जनसंपर्क और नाम कटने से संबंधित शिकायतों को दस्तावेजों के साथ दर्ज कर उनके निराकरण के लिए पहल की जाएगी। कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे, एसआईआर प्रक्रिया स्थगित करने, हटाए गए नामों को बहाल करने तथा कथित विसंगतियों की स्वतंत्र और समयबद्ध जांच की मांग उठाई। पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग भी की।



खबर संक्षेप

आधा दर्जन इंस्पेक्टर सबइंस्पेक्टर इधर से उधर

कोंडागांव। जिले के पुलिस विभाग में प्रशासनिक दृष्टिकोण से छह निरीक्षकों और उपनिरीक्षकों के पदस्थापना स्थल में अस्थायी बदलाव किया गया है। पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा द्वारा 24 अक्टूबर 2026 को जारी आदेश के अनुसार, आगामी आदेश तक संबंधित अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। जारी आदेश के तहत निरीक्षक विकास बघेल को थाना केशकाल प्रभारी के पद से हटाकर रक्षित केंद्र में पदस्थ किया गया है। निरीक्षक रितेश मिश्रा को शिकायत शाखा से थाना केशकाल का प्रभारी बनाया गया है। निरीक्षक आलोक साहू को नक्सल सेल से थाना फरसगांव का प्रभारी नियुक्त किया गया है। वहीं निरीक्षक मनीषप्रसाद राजवाड़े को थाना पुंगारपाल से रक्षित केंद्र भेजा गया है। इसी तरह उपनिरीक्षक तरुण मयती को थाना कोंडागांव से थाना पुंगारपाल का प्रभारी बनाया गया है, जबकि उपनिरीक्षक शशिभूषण पटेल को थाना फरसगांव से रक्षित केंद्र में पदस्थ किया गया है।

रामलीला के मंचन और गृह मंत्री शाह के किरदार ने बटोरी सुर्खियां

फरसगांव। कोंडागांव जिले के फरसगांव विकासखंड के अंतिम छोर पर स्थित मैनपुर में शनिवार को जिले के प्रसिद्ध दशहरा उत्सव का आयोजन धूमधाम से किया गया। रामलीला के कलाकारों की शानदार प्रस्तुतियां और आकर्षक रथों की झांकियां उत्सव का मुख्य आकर्षण रहीं। आयोजन में बस्तर सांसद महेश कश्यप, कांकेर सांसद भोजराज नाग और केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम सहित क्षेत्र के अन्य जनप्रतिनिधि शामिल हुए। मैनपुर का दशहरा अपनी अनूठी परंपराओं और रामलीला के विशेष किरदारों के लिए क्षेत्र में अलग पहचान रखता है। पिछले वर्ष यहां योगी आदित्यनाथ के किरदार ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया था, वहीं इस वर्ष गृह मंत्री अमित शाह के किरदार ने खूब सुर्खियां बटोरीं।

पुलिस ने आरोपों को किया खारिज

कोण्डागांव। माजीसा राइस मिल के सामने गांजे के पौधे पाए जाने के मामले में सोशल मीडिया और कुछ समाचार पत्रें में प्रसारित खबरों को लेकर कोण्डागांव पुलिस ने अपनी स्थिति स्पष्ट की है। पुलिस के अनुसार, इस मामले में 14 अक्टूबर को ही अपराध पंजीबद्ध कर गांजे के पौधे जब्त किए जा चुके हैं तथा प्रकरण की विवेचना जारी है। पुलिस ने कार्रवाई नहीं करने और प्रशासनिक संरक्षण दिए जाने संबंधी आरोपों को भ्रामक बताते हुए खारिज किया है। पुलिस के अनुसार, 14 अक्टूबर 2026 को मुखबिर से सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। वहां विधिवत कार्रवाई करते हुए थाना कोण्डागांव में अपराध क्रमांक 324/2026, स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम एनडीपीएस अधिनियम की धारा 20 (क) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। इस दौरान गांजे के पौधे भी विधिवत जब्त किए गए। पुलिस ने स्पष्ट किया कि गांजे के पौधे संबंधित भवन की चारदीवारी के बाहर स्थित भूमि पर पाए गए थे।



विधायक टेकाम के निवास पर ग्रामीणों ने सुनी 'मन की बात', 55 ग्रामीणों ने किया भाजपा प्रवेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ केशकाल

प्रधानमंत्री मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम में शामिल हुए ग्रामीण

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' को सुनने के लिए भाजपा विधायक नीलकंठ टेकाम के निवास पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विधायक नीलकंठ टेकाम के साथ ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री के विचारों को सुना। कार्यक्रम में क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायतों से पहुंचे 55 ग्रामीणों ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर पार्टी में प्रवेश किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम के माध्यम से देश के विभिन्न क्षेत्रों में हो रहे प्रेरणादायी कार्यों, सामाजिक पहलों, जनभागीदारी और विकास से जुड़े विषयों को आम नागरिकों तक पहुंचाया जाता है। विधायक नीलकंठ टेकाम के निवास पर आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणों ने एक साथ बैठकर इस प्रसारण को सुना।



'मन की बात' के साथ संगठनात्मक गतिविधियों पर जोर

विधायक नीलकंठ टेकाम के निवास पर आयोजित इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के विचारों को सुनने के साथ ग्रामीणों की सहभागिता देखने को मिली। ऐसे आयोजनों के माध्यम से जनप्रतिनिधियों, पार्टी कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों को एक साथ जुड़ने का अवसर मिलता है। कार्यक्रम में 'मन की बात' का श्रवण और ग्रामीणों का भाजपा में प्रवेश दो प्रमुख गतिविधियां रहीं। विधायक नीलकंठ टेकाम के निवास पर आयोजित इस आयोजन के माध्यम से ग्रामीणों की सहभागिता और पार्टी के संगठनात्मक संपर्क को रेखांकित किया गया।

अलग-अलग पंचायतों के लोग शामिल

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण विभिन्न ग्राम पंचायतों से आए 55 ग्रामीणों का भाजपा में प्रवेश रहा। इन ग्रामीणों ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। विधायक नीलकंठ टेकाम की मौजूदगी में नवप्रवेशी सदस्यों का स्वागत किया गया। ग्रामीणों के पार्टी से जुड़ने को स्थानीय स्तर पर संगठनात्मक गतिविधियों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

31 मार्च 2027 तक प्रदेश के एक हजार वैद्यों के प्रमाणन का लक्ष्य

कोंडागांव में 309 पारंपरिक वैद्यों का सम्मान उनके ज्ञान का होगा दस्तावेजीकरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव



छत्तीसगढ़ की समृद्ध आदिवासी स्वास्थ्य परंपरा और पारंपरिक चिकित्सा ज्ञान को संरक्षित करने की दिशा में राज्य शासन द्वारा एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड द्वारा कोंडागांव स्थित ऑडिटोरियम में पारंपरिक वैद्य स्वैच्छिक प्रमाणन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के दूरस्थ वनांचलों से आए 309 पारंपरिक वैद्यों को आधिकारिक प्रमाण पत्र प्रदान कर उनके अमूल्य अनुभवों, पारंपरिक ज्ञान और समाज सेवा भाव का गरिमामय सम्मान किया गया।

इस महत्वपूर्ण आयोजन के मुख्य अतिथि वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप रहे, जबकि अध्यक्षता बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम ने की। इसके अलावा, बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोंडागांव विधायक लता उसेंडी और बोर्ड के उपाध्यक्ष अंजय शुक्ला विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्राचीन चिकित्सा पद्धतियों का संरक्षण करना, वैद्यराजों के विशिष्ट ज्ञान का दस्तावेजीकरण करना और इस अनमोल विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित पहुंचाना है।

पारंपरिक ज्ञान और जड़ों को सहेजना समय की बड़ी जरूरत : मुख्य अतिथि वन मंत्री केदार कश्यप ने पारंपरिक वैद्यों को प्रमाण पत्र मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि हमारी जड़ें जितनी मजबूत होंगी, हमारी संस्कृति और परंपराएं उतनी ही अधिक समृद्ध होंगी। यदि हम केवल आधुनिकता और वर्तमान आवश्यकताओं पर ही ध्यान देते रहे और अपनी प्राचीन परंपराओं की उपेक्षा की, तो आने वाली पीढ़ियों को अपनी सांस्कृतिक विरासत का समुचित ज्ञान नहीं मिल पाएगा।

उन्होंने कहा कि वैद्यराजों का ज्ञान प्राकृतिक संसाधनों की पहचान, वनस्पतियों के सटीक अनुभवों और पीढ़ियों से चली आ रही समझ पर आधारित है। इसे केवल औपचारिक शिक्षा या डिग्रडियों से हासिल नहीं किया जा सकता। इसलिए औषधीय वनस्पतियों से जुड़ी इस जानकारी को संकलित करना अनिवार्य है। वन मंत्री ने कहा कि हमारे आसपास के पेड़-पौधे, फल-फूल और जड़ें पारंपरिक जीवन का अहम हिस्सा रहे हैं। बदलती जीवनशैली के कारण यह ज्ञान धीरे-धीरे सीमित हो रहा है।

पारंपरिक चिकित्सा ज्ञान को सुरक्षित रखना जरूरी

बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और वन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में वैद्यों के प्रमाणन और दस्तावेजीकरण का कार्य तेजी से चल रहा है। प्रथम चरण में 309 वैद्यों को प्रमाण पत्र दिए जा रहे हैं, जबकि बोर्ड का लक्ष्य 31 मार्च 2027 तक प्रदेश के एक हजार पारंपरिक वैद्यों का प्रमाणन पूरा करना है। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से हुई अपनी मुलाकात का जिक्र करते हुए कहा कि पारंपरिक चिकित्सा ज्ञान को सुरक्षित रखना आज समय की मांग है।

नई पीढ़ी तक ज्ञान पहुंचाना आवश्यकः लता उसेंडी

विधायक लता उसेंडी ने कहा कि पूर्वजों से प्राप्त इस ज्ञान का संरक्षण समाज के लिए बहुत जरूरी है। समय के साथ खान-पान की आदतें बदली हैं, लेकिन हमें पारंपरिक अनाजों और वन उपज को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाना होगा। उन्होंने वैद्यराजों के अनुभवों को संकलित कर नई पीढ़ी तक पहुंचाने का आह्वान किया ताकि स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ सके।

चक्रवात के खतरे को देखते हुए प्रशासन ने नागरिकों से की सावधानी बरतने की अपील



कोण्डागांव। उत्तरी आंध्र प्रदेश तट पर संभावित चक्रवाती तूफान और मौसम विभाग की चेतावनी को देखते हुए कोंडागांव जिला प्रशासन सतर्क हो गया है। बस्तर संभाग सहित जिले में बारिश की संभावना को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने आपदा प्रबंधन की तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने संबंधित विभागों को आवश्यक एहतियाती कदम उठाने तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए आपसी समन्वय के साथ कार्य करने को कहा है।

सभी विभागों को अलर्ट रहने के निर्देश : संभावित खराब मौसम को देखते हुए जिला प्रशासन ने राजस्व, पुलिस, नगरीय प्रशासन, पंचायत, स्वास्थ्य, विद्युत सहित अन्य संबंधित विभागों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। मैदानी अमले को भी सक्रिय रहकर परिस्थितियों पर नजर रखने तथा आवश्यकता पड़ने पर तत्काल कार्रवाई करने के लिए तैयार रहने को कहा गया है। प्रशासन का उद्देश्य संभावित प्राकृतिक आपदा के दौरान जनसुरक्षा सुनिश्चित करना और राहत एवं बचाव कार्यों को समय पर संचालित करना है।

नागरिकों से सावधानी बरतने की अपील : जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से खराब मौसम के दौरान सतर्कता बरतने की अपील की है। लोगों से कहा गया है कि अनावश्यक रूप से घर से बाहर निकलने से बचें तथा नदी–नालों, जलभराव वाले क्षेत्रें और अन्य जोखिमपूर्ण स्थानों से दूर रहें। प्रशासन ने नागरिकों से मौसम संबंधी चेतावनियों पर ध्यान देने और प्रशासन द्वारा जारी दिशा–निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

जिला और तहसील स्तर पर नियंत्रण कक्ष सक्रिय रखने की तैयारी

जिला प्रशासन ने संभावित आपदा से निपटने के लिए जिला एवं तहसील स्तर पर नियंत्रण कक्षों को सक्रिय रखने और मौसम संबंधी चेतावनियों पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। संबंधित विभागों को आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं तैयार रखने को कहा गया है, ताकि किसी भी अप्रिय परिस्थिति में समन्वित ढंग से काम किया जा सके।

माकड़ी में नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

कोण्डागांव। जिले के माकड़ी थाना क्षेत्र में नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान तेमेश नेताम 21 वर्ष, निवासी तमरावण्ड, थाना माकड़ी के रूप में हुई है। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ा। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायिक रिमांड के लिए माननीय न्यायालय में पेश किया गया।

7 अक्टूबर को दर्ज हुई थी शिकायत : पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, प्रार्थिया ने 7 अक्टूबर 2026 को थाना माकड़ी में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप



लगाया गया कि तेमेश नेताम उसकी नाबालिग पुत्री को बहला–फुसलाकर अपने साथ ले गया और उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए, जिसके कारण पीड़िता गर्भवती हो गई। शिकायत के आधार पर थाना माकड़ी में अपराध क्रमांक 47/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता बीएनएस की धारा 137(2), 64(2), 64(3), 65(1) तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 6 के अंतर्गत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई थी।

घटना के बाद से फरार था आरोपी : पुलिस के अनुसार, मामला दर्ज होने के बाद से आरोपी फरार चल रहा था। उसकी तलाश के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक पंकज चन्द्रा के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कपिल चन्द्रा एवं उप पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ बघेल के मार्गदर्शन में विशेष टीम गठित की गई। थाना प्रभारी निरीक्षक ज्ञानेन्द्र सिंह चौहान के नेतृत्व में पुलिस टीम आरोपी की तलाश में जुटी थी। इसी दौरान मुखबिर से मिली सूचना और प्राप्त लोकेशन के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर कोंडागांव पुलिस ने दिखाई स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर आधारित डॉक्यूमेंट्री

कोण्डागांव। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर कोंडागांव पुलिस द्वारा विभिन्न स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में पुलिस कार्यालय, थाना केशकाल, थाना विश्रामपुरी तथा स्वामी आत्मानंद स्कूल कोंडागांव में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर आधारित विशेष डॉक्यूमेंट्री वीडियो का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों–कर्मचारियों के साथ विद्यार्थियों ने भी सहभागिता की।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के निर्माण की दिखाई गई कहानी : पुलिस अधीक्षक कार्यालय में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा रक्षित केंद्र की आरोहण कोचिंग के विद्यार्थियों को विशेष डॉक्यूमेंट्री के माध्यम से विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के निर्माण और उसके महत्व की जानकारी दी गई। वीडियो में बताया गया कि 182 मीटर ऊंची यह प्रतिमा सरदार वल्लभभाई पटेल के योगदान, राष्ट्रीय एकता और अखंडता का प्रतीक है। डॉक्यूमेंट्री के माध्यम से यह भी बताया गया कि देश के विभिन्न गांवों से लोहा और मिट्टी एकत्र करने सहित जनभागीदारी के प्रयासों ने इस प्रतिमा के निर्माण को राष्ट्रीय एकता के संदेश से जोड़ा।



थाना केशकाल और विश्रामपुरी में भी हुआ आयोजन

राष्ट्रीय एकता दिवस के कार्यक्रम के तहत थाना केशकाल में थाना स्टाफ की बैठक आयोजित कर डॉक्यूमेंट्री वीडियो प्रदर्शित किया गया। इसी प्रकार थाना विश्रामपुरी में आईटीआई एवं कॉलेज के विद्यार्थियों को पुलिस स्टाफ की उपस्थिति में वीडियो के माध्यम से सरदार पटेल के जीवन, विचारों और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान की जानकारी दी गई। स्वामी आत्मानंद स्कूल कोंडागांव में भी स्टैच्यू ऑफ यूनिटी से संबंधित वीडियो का प्रदर्शन कर विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एकता के महत्व से अवगत कराया गया।

सुरक्षित बचपन अभियान के तहत स्कूलों में बच्चों को किया जाएगा जागरूक, बाल विवाह और शोषण रोकने पर जोर

कोण्डागांव। बच्चों के अधिकारों के संरक्षण, बाल अपराधों की रोकथाम और विद्यालयों में सुरक्षित वातावरण विकसित करने के उद्देश्य से जिले में सुरक्षित बचपन अभियान के तहत जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इसी क्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव में प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं पैरालीगल वॉलिंटियर्स की मासिक बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष खिलावन राम रिगरी ने की। बैठक में बच्चों की सुरक्षा, कानूनी अधिकारों और विभिन्न विभागों के समन्वय से जागरूकता अभियान चलाने पर विस्तार से चर्चा हुई।



बाल विवाह और बाल शोषण की रोकथाम पर जोर : अभियान के तहत बच्चों, शिक्षकों, अभिभावकों और समाज को बाल विवाह तथा बाल शोषण के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जाएगा। साथ ही बच्चों को सुरक्षित एवं असुरक्षित व्यवहार की पहचान, शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया और जरूरत पड़ने पर सहायता प्राप्त करने के तरीकों की जानकारी दी जाएगी।

छह प्रमुख विषयों पर चलेगा जागरूकता अभियान : सुरक्षित बचपन अभियान के अंतर्गत छह प्रमुख विषयों को शामिल किया गया है। इनमें ना बाल विवाह, ना बाल शोषण, कानून जानो, बचपन बचाओ, जागरूक बचपन, सशक्त भारत, सुरक्षित क्लिक, सुरक्षित बचपन, मेरा बचपन, मेरा अधिकार तथा बोलो, बताओ, बचाओ शामिल हैं। इन विषयों के माध्यम से बच्चों को उनके अधिकारों और सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाएगा।

स्कूलों में संयुक्त टीम चलाएगी जागरूकता अभियान

सुरक्षित बचपन अभियान को प्रभावी बनाने के लिए शिक्षा विभाग, पुलिस विभाग, बाल कल्याण समिति, बाल संरक्षण इकाई और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सहित संबंधित विभागों की संयुक्त टीम गठित कर विद्यालयों में जागरूकता गतिविधियां आयोजित करने की कार्ययोजना पर जोर दिया गया। इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को उनके अधिकारों और सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी जाएगी।

स्वास्थ्य सेवाओं में लैब टेक्नोलॉजिस्ट के योगदान और कोरोना काल के संघर्ष को किया याद

कोंडागांव। जिला मेडिकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट संघ कोंडागांव के तत्वावधान में 24 अक्टूबर को एमएलटी दिवस के अवसर पर काष्ठागार वन परिसर स्थित नीलम हॉल में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मेडिकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट के योगदान को सम्मानित करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरके चतुर्वेदी, बीएमओ डॉ. हरेंद्र बघेल सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा किए। इस दौरान कोरोना महामारी के कठिन दौर को भी याद किया गया, जब लैब टेक्नोलॉजिस्ट ने अपनी जान की परवाह किए बिना कोरोना वॉरियर्स के रूप में लगातार सेवाएं देते हुए मरीजों की जांच और उपचार व्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दिया।



खबर संक्षेप

मां दुर्गा की धूमधाम से विदाई, नन्ही बालिका बनी आकर्षण का केंद्र



जगदलपुर। शारदीय नवरात्रि समाप्त होने के बाद भी शहर में दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला जारी है। कुछ दुर्गा उत्सव समितियां शुभ मुहूर्त के अनुसार मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन कर रही हैं। इसी कड़ी में नगर के फुटबॉल ग्राउंड में स्थापित मां परदेसनी दुर्गा पंडाल की प्रतिमा का धूमधाम से विसर्जन आज किया गया। इस दौरान भक्तिमय माहौल के बीच मां दुर्गा को विदाई देने के लिए श्रद्धालुओं में उत्साह देखने को मिला। विसर्जन के अवसर पर पंडाल में मां दुर्गा के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की मौजूदगी रही। पूजा-अर्चना और धार्मिक उत्साह के बीच मां की प्रतिमा को विदाई दी गई। इस दौरान पंडाल में सजे धार्मिक स्वरूप और श्रद्धालुओं की आस्था ने आयोजन को विशेष बना दिया। इस आयोजन में मां दुर्गा की प्रतिमा के समीप बैठाई गई एक नन्ही बालिका विशेष आकर्षण का केंद्र रही। बालिका को मां दुर्गा के स्वरूप में सजाकर बैठाया गया था। उसका रूप और साज-सज्जा लोगों का ध्यान बरबस अपनी ओर खींच रहे थे। पंडाल में पहुंचने वाले श्रद्धालु और राहगीर भी बालिका के इस मनमोहक स्वरूप को देखकर आकर्षित हुए। नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा की आराधना और पूजा-अर्चना के बाद प्रतिमा विसर्जन के साथ उत्सव का समापन होता है। हालांकि, परंपरा और शुभ मुहूर्त को ध्यान में रखते हुए कुछ समितियां नवरात्रि समाप्त होने के बाद भी विसर्जन करती हैं। मां परदेसनी दुर्गा पंडाल में भी इसी परंपरा के अनुरूप प्रतिमा को श्रद्धा और उत्साह के साथ विदाई दी गई।

बाल देखरेख संस्थाओं का औचक निरीक्षण

जगदलपुर। किशोर न्याय बालकों की देखरेख और संरक्षण अधिनियम, 2015 के प्रावधानों के तहत बाल कल्याण समिति, जिला बस्तर ने जिले की पंजीकृत बाल देखरेख संस्थाओं का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान शासकीय बालिका गृह, खुला आश्रय गृह बालक, बस्तर सामाजिक जन विकास समिति, तथा दिव्यांग संस्था में निवासरत बालक-बालिकाओं के लिए उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।बाल कल्याण समिति, के अध्यक्ष नरेन्द्र पाणिग्राही ने बताया कि निरीक्षण के दौरान संस्थाओं में साफ-सफाई, पौष्टिक भोजन, बच्चों की नियमित पढ़ाई, स्वास्थ्य परीक्षण तथा सुरक्षा व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया। अधीक्षकों को बच्चों के प्रति संवेदनशील व्यवहार अपनाने और संस्थागत व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए गए।

सार्वजनिक नवदुर्गा उत्सव समिति और सर्व हिंदू समाज का आयोजन, नौ दिनों तक गरबा-डांडिया और भजनों की रही धूम

रावण दहन के साथ नवरात्रि उत्सव का समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सुकमा

9 दिन मां दुर्गा की आराधना, गरबा-डांडिया की धूम और भक्ति के उल्लास से सराबोर रहा सुकमा का मिनी स्टेडियम। सार्वजनिक नवदुर्गा उत्सव समिति एवं सर्व हिंदू समाज, सुकमा के तत्वावधान में आयोजित शारदीय नवरात्रि उत्सव का समापन विजयादशमी पर रावण दहन के साथ हुआ। इस बार धार्मिक आयोजनों के साथ पहली बार सजे मीना बाजार ने उत्सव में चार चांद लगा दिए। झूलों, मनोरंजक स्टॉलों, भजन संध्या और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने नौ दिनों तक मिनी स्टेडियम को उत्सव के रंग में रंगे रखा।

- समिति ने प्रशासन, दानदाताओं और नगरवासियों का जताया आभार

नवरात्रि के पहले दिन से ही मां दुर्गा के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। शाम होते ही मिनी स्टेडियम में रौनक बढ़ जाती थी। गरबा-डांडिया की थाप पर थिरकते श्रद्धालु, भजन संध्या में गूंजते माता के जयकारे और परिवारों की मौजूदगी ने आयोजन को भव्य स्वरूप दिया। धार्मिक आस्था के साथ सांस्कृतिक गतिविधियों ने भी लोगों को जोड़े रखा।

नवरात्रि उत्सव के साथ पहली बार आयोजित मीना बाजार इस वर्ष का प्रमुख आकर्षण रहा। रंग-बिरंगे झूलों और मनोरंजक स्टॉलों ने बच्चों और युवाओं को खासा आकर्षित किया। परिवारों ने भी बाजार में पहुंचकर उत्सव का आनंद लिया। धार्मिक आयोजन के साथ मनोरंजन की व्यवस्था ने मिनी स्टेडियम की रौनक बढ़ाई और नगरवासियों को एक ही परिसर में भक्ति और मनोरंजन का अवसर मिला।

माता के जयकारों से गूंजा मिनी स्टेडियम, पहली बार मीना बाजार, बच्चों से लेकर बड़ों तक में उत्साह

अष्टमी पर हवन, नवमी पर कन्या पूजन

नवरात्रि के अष्टमी पर्व पर हवन-पूजन कर सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की गई। नवमी पर कन्या पूजन के साथ धार्मिक परंपराओं का निर्वहन किया गया। इसके अलावा रंगोली और वॉल पेंटिंग जैसी प्रतियोगिताओं के माध्यम से बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा को मंच दिया गया। 9 दिनों तक चले धार्मिक अनुष्ठानों में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

धार्मिक परंपरा और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

विजयादशमी पर रावण दहन के साथ नवरात्रि उत्सव का समापन हुआ। 9 दिनों तक चले इस आयोजन में धार्मिक परंपरा, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और मनोरंजन का संगम देखने को मिला। सार्वजनिक नवदुर्गा उत्सव समिति एवं सर्व हिंदू समाज ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी लोगों के प्रति आभार जताया। समिति ने कहा कि नगरवासियों, दानदाताओं, श्रद्धालुओं, प्रशासनिक विभागों और पर्दे के पीछे रहकर व्यवस्थाएं संभालने वाले सहयोगियों की सहभागिता से आयोजन सफल हो सका। समिति ने भविष्य में भी इसी तरह सामूहिक सहयोग से धार्मिक और सामाजिक आयोजनों को आगे बढ़ाने की उम्मीद जताई।

सहयोग से सफल हुआ आयोजन

समिति सदस्य एवं नगर पालिका उपाध्यक्ष भुवनेश्वरी यादव ने कहा नवरात्रि उत्सव को सफल बनाने में सुकमा के दानदाताओं, श्रद्धालुओं और समिति सदस्यों का सहयोग सराहनीय रहा। सभी के सामूहिक प्रयासों से 9 दिनों तक पूजा-अर्चना, गरबा, विसर्जन और महाभंडारे सहित विभिन्न कार्यक्रम संपन्न हुए। जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन और नगरवासियों का प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष सहयोग मिला। सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करती हूं और उम्मीद है कि भविष्य में भी इसी तरह मिल-जुलकर धार्मिक आयोजनों को सफल बनाएंगे।



पर्दे के पीछे जुटे सहयोगियों का योगदान सराहनीय

समिति अध्यक्ष शीतल प्रभा नर्मदा ने कहा सार्वजनिक नवदुर्गा उत्सव समिति का उद्देश्य मां जगदम्बा की आराधना के माध्यम से पूरे सुकमा नगर को भक्तिमय वातावरण से जोड़ना था। नगरवासियों के उत्साह और समर्पण से यह संकल्प साकार हुआ। पंडाल सजाने वाले कारीगरों, बिजली विभाग, साउंड सिस्टम संचालकों, स्वच्छता कर्मियों और महाभंडारे की व्यवस्था में जुटे लोगों का योगदान बेहद महत्वपूर्ण रहा। सभी ने सेवा भावना से अपनी जिम्मेदारी निभाई। उम्मीद है कि भविष्य में भी सुकमा में ऐसे धार्मिक और सामाजिक आयोजन इसी उत्साह और सामूहिक सहभागिता के साथ होते रहेंगे।

प्रशासन और नगरवासियों की सहभागिता अहम

विहिप जिला अध्यक्ष एवं समिति कोषाध्यक्ष अनिल टावरी ने कहा मां दुर्गा के भव्य आयोजन को सफल बनाने में जिला प्रशासन, नगर पालिका प्रशासन, पीडब्ल्यूडी विभाग और पुलिस प्रशासन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। दानदाताओं, श्रद्धालुओं और समाज के विभिन्न वर्गों ने भी अपनी सहभागिता से आयोजन को यादगार बनाया। समिति की ओर से सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त करता हूं। मां भगवती सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि प्रदान करें।

मूर्तियों के विसर्जन के बाद जगह-जगह भंडारा, प्रसाद ग्रहण करने उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़



हरिभूमि न्यूज ▶▶| मद्देड़

शारदीय नवरात्रि पर्व के समापन के बाद बीजापुर जिले के विभिन्न ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में स्थापित मंदिर पंडालों में मूर्तियों के विसर्जन के उपरांत श्रद्धा और उत्साह का माहौल बना हुआ है। देवी विसर्जन के पश्चात समितियों के सदस्यों द्वारा शुभ दिन तय कर जगह-जगह महाभंडारे और प्रसाद वितरण का भव्य आयोजन किया जा रहा है। महाभंडारे की जानकारी गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए लाउडस्पीकर द्वारा मुनादी कराई जा रही है।

दूर-दराज से पहुंचे श्रद्धालु

इस अवसर पर स्थानीय ग्रामवासियों के साथ-साथ आसपास के दूर-दराज क्षेत्रों से बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष, युवा, बुजुर्ग और बच्चे आशीर्वाद लेने तथा महाप्रसाद ग्रहण करने पहुंच रहे हैं। आयोजनों में भक्तों के लिए विशेष रूप से स्वादिष्ट हलवा, खीर, पूड़ी, दाल, चावल और मिक्स सब्जी का महाप्रसाद तैयार किया जा रहा है। सभी श्रद्धालु पूरी श्रद्धा के साथ इस महाप्रसाद का आनंद ले रहे हैं।

सामाजिक सौहार्द की मिसाल

पूजा-अर्चना और प्रतिमा विसर्जन के पश्चात आयोजित इन महाभंडारों से पूरा जिला भक्ति रस में सराबोर है। यह धार्मिक आयोजन क्षेत्र में आपसी भाईचारे, सहयोग और सामाजिक सौहार्द का एक सुंदर उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। भंडारे के सफल संचालन में समितियों के सदस्यों के साथ स्थानीय युवा बढ़-चढ़कर अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

डब्बाकोंटा में गरजे हरीश कवासी, बोले- भाजपा को आदिवासियों से नहीं, प्राकृतिक संसाधनों से मतलब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सुकमा

जिला कांग्रेस कमेटी सुकमा के 'वोट बचाओ, देश बचाओ' अभियान के तहत रविवार को डब्बाकोंटा में विशाल जनसभा का आयोजन किया गया। सभा में कांग्रेस जिलाध्यक्ष हरीश कवासी ने आदिवासी अधिकारों, क्षेत्र के विकास, बुनियादी सुविधाओं और जेलों में बंद आदिवासियों की रिहाई का मुद्दा उठाते हुए भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार को आदिवासियों के जीवन स्तर में सुधार से ज्यादा बस्तर के प्राकृतिक संसाधनों और कॉरपोरेट हितों की चिंता है। कार्यक्रम में विभिन्न गांवों से पहुंचे सैकड़ों ग्रामीण शामिल हुए। इस दौरान 200 से अधिक ग्रामीणों ने कांग्रेस की सदस्यता भी ग्रहण की।

- 'वोट बचाओ, देश बचाओ' जनसभा में बिजली, सड़क, राशन और निर्दोष आदिवासियों की रिहाई का मुद्दा उठा

जनसभा को संबोधित करते हुए हरीश कवासी ने कहा कि पेसा कानून, आरक्षण और पंचायती राज व्यवस्था के माध्यम से आदिवासियों के अधिकारों को मजबूत करने में कांग्रेस की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में वनोपज खरीदी को बढ़ावा दिया गया।

कवासी ने आरोप लगाया कि भाजपा धर्म और जाति के नाम पर समाज को बांटकर बस्तर के प्राकृतिक संसाधनों को कॉरपोरेट कंपनियों के हवाले करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि बस्तर का विकास यहां की आदिवासी संस्कृति, परंपराओं और सभ्यता को सुरक्षित रखते हुए होना चाहिए। विकास का उद्देश्य स्थानीय लोगों का जीवन स्तर सुधारना होना चाहिए, न कि केवल प्राकृतिक संसाधनों का दोहन करना।



राशन, धान खरीदी और योजनाओं को लेकर ग्रामीणों ने बताईं समस्याएं

जनसभा में ग्रामीणों ने बिजली, पेयजल, सड़क और राशन वितरण से जुड़ी समस्याएं रखीं। किसानों ने गिरदावरी के नाम पर धान खरीदी में कथित अनियमितताओं, तेंदूपत्ता खरीदी की सीमित अवधि और बोनस नहीं मिलने की शिकायतें उठाईं। वहीं, महतारी वंदन योजना का लाभ पात्र महिलाओं तक नहीं पहुंचने और नए नियमों के कारण राशन कम मिलने की समस्याएं भी सामने आईं। कांग्रेस नेताओं ने इन मुद्दों को जनहित से जुड़ा बताते हुए शासन-प्रशासन से समाधान की मांग की।

200 से अधिक ग्रामीण कांग्रेस में शामिल

कार्यक्रम के दौरान डब्बाकोंटा, कसलपाड़, भट्टपाड़, ऐंठापाड़, पेंटापाड़, तुमलपाड़, पिडमेल, करिगुंडम, कोलाईगुड़ा, छोटे केड़वाल और बोदराजपदर सहित विभिन्न गांवों के 200 से अधिक ग्रामीणों ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। कांग्रेस का गमछा पहनाकर उनका स्वागत किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष सोयम मंगम्मा, जिला पंचायत सदस्य सोयम भीमा, जनपद सदस्य माड़वी देवा, आदिवासी सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष वेको हूंगा, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष सुधीर पाण्डे, जनपद सदस्य कवासी सोनी सहित कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

तीन साल में विकास नहीं होने का लगाया आरोप

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि पिछले तीन वर्षों में अंदरूनी क्षेत्रों की बुनियादी समस्याओं के समाधान के लिए पर्याप्त काम नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में कंपनियों को लाभ पहुंचने की संभावना है, वहां सड़क निर्माण पर ध्यान दिया जा रहा है, जबकि कई ग्रामीण इलाकों में बिजली, पेयजल और सड़क जैसी सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। उन्होंने सरकार से अंदरूनी गांवों में विकास कार्यों को प्राथमिकता देने की मांग की।

निर्दोष आदिवासियों की रिहाई का मुद्दा प्रमुखता से उठा

सभा में जेलों में बंद आदिवासियों की रिहाई का मुद्दा भी छाया रहा। हरीश कवासी ने दावा किया कि बड़ी संख्या में निर्दोष आदिवासी जेलों में बंद हैं। उन्होंने कहा कि जेलों में बंद परिजनों को छुड़ाने के लिए उनके परिवारों को अपनी जीवनभर की कमाई खर्च करनी पड़ रही है। उन्होंने सरकार से मामलों की निष्पक्ष समीक्षा कर निर्दोष लोगों की रिहाई के लिए प्रभावी पहल करने की मांग की।

तोकापाल में उपसरपंच संघ का गठन, शंकर बने जिलाध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोकापाल

तोकापाल में आयोजित बैठक में बस्तर जिला उपसरपंच संघ का गठन आपसी सहमति से संपन्न हुआ। बैठक में जिलेभर के उपसरपंचों की सहमति से जिला स्तरीय पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से चयन किया गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने कहा कि इस संघ का मुख्य उद्देश्य जिले के समस्त उपसरपंचों को एकजुट करना, संगठन को मजबूत बनाना तथा उपसरपंचों के अधिकारों, सम्मान एवं समस्याओं को शासन-प्रशासन के समक्ष मजबूती से उठाना है। यह संगठन उपसरपंचों के हितों की रक्षा के लिए एक मजबूत मंच के रूप में कार्य करेगा।

- अधिकारों और सम्मान की लड़ाई के लिए एकजुट हुए उपसरपंच



संघ के संचालन के लिए नवनिर्वाचित पदाधिकारियों की सूची जारी की गई है। इसके तहत जिला अध्यक्ष पद पर शंकर कश्यप (छिंदवाड़ा, कावारास, उपसरपंच दरभा) और जिला सचिव पद पर राजू मेहरा (रायकोट, उपसरपंच तोकापाल) को चुना गया है। इसी तरह जिला उपाध्यक्ष के रूप में प्रथम उपाध्यक्ष सुकरु कश्यप (चिड़पाल, दरभा), द्वितीय उपाध्यक्ष पुरन सिंह कश्यप (बड़े चकवा, बस्तर) तथा तृतीय उपाध्यक्ष रैबारी बघेल (बेड़ागुड़ा, तोकापाल) को जिम्मेदारी दी गई है। जिला कोषाध्यक्ष पद पर जयनाथ बघेल (बेड़ा उमरगांव, बकावंड), जिला सह-कोषाध्यक्ष पद पर राजकुमार भारद्वाज (बड़ांजी, लोहण्डीगुड़ा) तथा जिला मीडिया प्रभारी पद पर महेश पोयाम (बिरगाली, बास्तानार) का चयन किया गया है।

एकजुटता की अपील

नवनियुक्त पदाधिकारियों ने बस्तर जिले की समस्त ग्राम पंचायतों के उपसरपंचों से अपील की है कि वे इस संगठन से जुड़कर एकता, भाईचारे और सहयोग की भावना को मजबूत करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि संगठन का उद्देश्य किसी व्यक्ति विशेष का हित नहीं, बल्कि जिले के समस्त उपसरपंचों के सम्मान, अधिकारों और हितों की रक्षा करना है। सभी सदस्यों ने 'एक पंचायत-एक आवाज, समस्त उपसरपंच-एक साथ' के संकल्प के साथ मिलकर एक मजबूत, संगठित और संघर्षशील उपसरपंच संघ के निर्माण की बात कही।

दशहरा से लौटीं ग्राम देवी गंगा देई, हुआ भव्य स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बस्तर



आराध्य ग्राम देवी गंगा देई की छत्र डोली विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा में शामिल होकर लौटने के दौरान जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। जगदलपुर से बस्तर लौटते समय परचनपाल में रात्रि विश्राम की परंपरा सदियों से चली आ रही है। इसी परंपरा के तहत शनिवार देर शाम परचनपाल पहुंचने पर ग्रामीणों ने ढोल-मांदर, मांदरी और गायता-पुजारी के साथ डोली की अगवानी की। बड़ी संख्या में महिलाओं और पुरुषों ने फूल-माला चढ़ाकर पूजा-अर्चना की। पुजारी विशेश्वर यादव ने बताया कि गंगा देई बस्तर की रक्षक और ग्राम देवी हैं, जिनकी छत्र डोली दशहरा में शामिल होने जगदलपुर जाती है। परचनपाल में एक रात्रि विश्राम के पश्चात आज शाम देवी की डोली बस्तर के लिए रवाना हुई। देर रात बस्तर पहुंचने पर ग्रामीणों ने जगह-जगह आतिशबाजी और बाजे-गाजे के साथ भव्य स्वागत किया। इस दौरान देवेश्वर, नीलम, दामु, रघु, पुरन, शंकर और कुल्लू साथ रहे।

जनसंपर्क मजबूत करने को रायगड़ा रेल मंडल ने चलाया 'रेल जन संवाद'

स्वच्छता अभियान चलाकर कचरा पृथक्करण की दी सीख

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

पूर्व तट रेलवे के रायगड़ा रेल मंडल ने विशेष अभियान 6. 0 के अंतर्गत अपने कार्यक्षेत्र में 'रेल जन संवाद' कार्यक्रमों का आयोजन किया। इसका मुख्य उद्देश्य रेलवे और जनता के बीच सीधे संपर्क को मजबूत करना, यात्री जागरूकता बढ़ाना और रेल सेवाओं में सुधार के लिए जनभागीदारी को प्रोत्साहित करना था।

इस पहल के तहत अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक (एडीआरएम) गौरी शंकर राव ने कोरापुट रेलवे स्टेशन पर यात्रियों से बातचीत की। वहीं वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता प्रवीण भाटी और वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक पूजा सिंह ने रायगड़ा रेलवे स्टेशन पर मोर्चा संभाला। प्रभारी मंडल वित्त प्रबंधक धर्म साहू ने गुनुपुर स्टेशन और प्रभारी मंडल कार्मिक अधिकारी दिगंबर पाढ़ी ने पारलाखेमुंडी स्टेशन पर कार्यक्रम का नेतृत्व किया। मंडल के अन्य शाखा अधिकारियों ने भी अपने-अपने निर्धारित स्टेशनों पर इस अभियान को चलाया।



इन कार्यक्रमों के दौरान रेल अधिकारियों ने रेल सेवाओं, स्टेशन परिसर की व्यवस्थाओं और यात्री सुविधाओं के संबंध में यात्रियों से उनके सुझाव, शिकायतें और प्रतिक्रियाएं सुनीं। इस पहल ने यात्रियों को अपनी अपेक्षाएं सीधे रेल प्रशासन तक पहुंचाने और यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने में योगदान देने का अवसर दिया।

अधिकारियों ने स्टेशन परिसरों और यात्री सुविधाओं का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान साफ-सफाई, स्वच्छता और सार्वजनिक सुविधाओं के रख-रखाव पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों ने रेल कर्मचारियों, यात्रियों और अन्य हितधारकों के साथ मिलकर स्वच्छता अभियानों में श्रमदान भी किया। इसके जरिए यह संदेश दिया गया कि रेलवे स्टेशनों को साफ-सुथरा रखना एक साझा जिम्मेदारी है।

डस्टबिन के उपयोग की अपील

यात्रियों को उचित कचरा प्रबंधन और उसके उद्गम स्थल पर ही गीले-सूखे कचरे को अलग-अलग (पृथक्करण) करने के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। उन्हें निर्धारित कचरा पात्रों (डस्टबिन) का उपयोग करने, जिम्मेदारी से कचरा फेंकने और प्लेटफॉर्म या परिसर में गंदगी न फैलाने के लिए प्रेरित किया गया। इसके साथ ही रेल संपत्ति की सुरक्षा और यात्री सुरक्षा को लेकर भी चर्चा की गई।

स्वच्छता के प्रति सामूहिक संकल्प

इस पूरे कार्यक्रम का समन्वय रायगड़ा मंडल की पर्यावरण और गृह व्यवस्था प्रबंधन (इएनएचएम) टीम ने स्वास्थ्य निरीक्षकों, वाणिज्यिक निरीक्षकों और विभिन्न स्टेशनों के स्टेशन प्रबंधकों के सहयोग से किया। रेल अधिकारियों, कर्मचारियों और यात्रियों की इस सक्रिय भागीदारी ने स्वच्छ रेल परिसर और बेहतर यात्री सेवाओं के प्रति सामूहिक संकल्प को प्रदर्शित किया।

कारली पशु औषधालय की पहल से आत्मनिर्भर बन रहीं महिला पशुपालक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गीदम

गीदम ब्लॉक के पशु औषधालय कारली के प्रभारी दिलीप दुर्गम के कई वर्षों के निरंतर प्रयास से क्षेत्र की महिला पशुपालक स्वरोजगार से जुड़कर आत्मनिर्भर बन रही हैं। उनके जीवन स्तर में आए बदलाव को अब धरातल पर देखा जा सकता है। केंद्र सरकार की ₹लखपति दीदी योजना₹ से जुड़कर महिलाओं ने पशुपालन विभाग के सहयोग से गौपालन और बकरी पालन कर आय अर्जित करने का संकल्प लिया। विभाग के प्रयास से अब तक 184 महिलाओं को गौ पालन, 72 महिलाओं को बकरी पालन और 210 महिलाओं को मुर्गी पालन से जोड़ा जा चुका है। इससे उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। महिला पशुपालक अब घर के छोटे-बड़े खर्चों में आर्थिक सहयोग करने में सक्षम हैं। घर के दैनिक खर्च, बच्चों की पढ़ाई और अन्य जरूरतों में वे बराबर की भागीदारी निभा रही हैं। लखपति दीदी योजना से जुड़ी महिलाओं का कहना है कि दूध की वर्षभर नियमित बिक्री, बकरों की बिक्री और मुर्गे-मुर्गियों की बिक्री से घर के खर्चों में किसी प्रकार की परेशानी नहीं आती। तीज-त्योहारों में भी खुशहाली पशुपालन से ही बनी रहती है। नियमित आमदनी से न केवल आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है, बल्कि परिवार में महिलाओं की भूमिका और सम्मान भी बढ़ा है। पशुपालन विभाग द्वारा समय-समय पर टीकाकरण, दवा वितरण और तकनीकी प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है, जिससे पशुओं की उत्पादकता और महिलाओं की आय दोनों में वृद्धि हो रही है।

खबर संक्षेप

श्रुति ने शास्त्रीय नृत्य की प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोहा



जगदलपुर। शहर की कथक नृत्यांगना श्रुति सरोज ने दशहरा उत्सव लाल बाग के मंच पर त्रिवट ताल पर आधारित कथक नृत्य की मोहक प्रस्तुति दी। जिसमें हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत और कथक की खूबसूरत और कठिन बंदिश रचना को 3 ताल यानी 16 मात्रा में द्रुत लय से प्रस्तुत किया गया। यह रसराज त्रिवट है जो बेहद लोकप्रिय प्रस्तुति रही। इस अवसर पर जागेश्वर गौर अधीक्षण अभियंता ने श्रुति को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया। अतिथियों एवं दर्शकों ने श्रुति की खूबसूरत प्रस्तुति की सराहना की।

साझा न्यूनतम कार्यक्रम और क्षेत्रीय अधिकारों पर जोर



जगदलपुर। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस और भाजपा से अलग राजनीतिक दलों, क्षेत्रीय संगठनों एवं जनआंदोलनों को साझा मुद्दों पर एकजुट करने और वैकल्पिक राजनीतिक मंच की संभावनाओं पर संवाद स्थापित करने की पहल की गई है। इस पहल में नवनीत चांद, वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष, जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे), तथा बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा से जुड़े नेतृत्व की भूमिका प्रदेश के क्षेत्रीय हितों, आदिवासी अधिकारों और जनसमस्याओं को साझा राजनीतिक विमर्श के केंद्र में लाने की है। नवनीत चांद ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य गठन के बाद के 26 वर्षों में कांग्रेस और भाजपा के शासनकालों के दौरान किए गए चुनावी वादों, नीतियों और विकास के परिणामों का तथ्यात्मक मूल्यांकन आवश्यक है। प्रदेश की जनता को रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, जल-जंगल-जमीन और प्राकृतिक संसाधनों में न्यायसंगत भागीदारी जैसे मुद्दों पर ठोस जवाब और स्पष्ट कार्ययोजना मिलनी चाहिए। उन्होंने प्रस्ताव रखा कि कांग्रेस और भाजपा से अलग राजनीतिक दलों एवं क्षेत्रीय शक्तियों के बीच संवाद को आगे बढ़ाकर एक साझा न्यूनतम कार्यक्रम तैयार किया जाए, जिसमें स्थानीय युवाओं के रोजगार, किसानों-मजदूरों के हित, ग्रामसभा के अधिकार, आदिवासी समाज की अस्मिता, खनिज संपदा में स्थानीय भागीदारी और क्षेत्रीय असमानताओं को दूर करने के उपाय शामिल हों। उन्होंने कहा, "तीसरे राजनीतिक विकल्प की पहचान केवल कांग्रेस और भाजपा से अलग होने में नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की जनता के सवालों पर स्पष्ट नीति, साझा कार्यक्रम और जवाबदेही प्रस्तुत करने में होगी। प्राथमिकता है कि विभिन्न राजनीतिक शक्तियां पहले जनहित के मुद्दों पर सहमति बनाएं और उसके बाद लोकतांत्रिक प्रक्रिया से आगे की राजनीतिक दिशा तय करें। उन्होंने सभी सहभागी दलों एवं संगठनों से अपील की कि वे राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर प्रदेश के अधिकारों, रोजगार, सामाजिक न्याय और क्षेत्रीय विकास के सवालों पर सार्थक संवाद करें।

बस्तर दशहरा की परंपराओं के उल्लंघन पर सर्व आदिवासी मूलनिवासी समाज ने जताई चिंता

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

मृतक परिवार को 1 करोड़ मुआवजा और घायलों के परिजनों को सरकारी नौकरी देने का प्रस्ताव पारित

सर्व आदिवासी मूलनिवासी समाज जिला बस्तर की अति आवश्यक बैठक रविवार को जगदलपुर के तेतर खूटी स्थित संभागीय धुरवा समाज भवन में आयोजित की गई। बैठक में बस्तर दशहरा के दौरान पारंपरिक व्यवस्थाओं, आदिवासी देवी-देवताओं के सम्मान, मांझी-चालकी की भूमिका तथा रथ खींचने वाले ग्रामीणों और कारीगरों की सुरक्षा सहित विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में परंपराओं के लगातार उल्लंघन पर चिंता जताते हुए आगामी दशहरा की रूपरेखा बस्तरिया मूल समाज, मांझी-चालकी, सिरहा-गुनिया और पारंपरिक प्रतिनिधियों की सहमति से तय करने की मांग की गई। बैठक में बस्तर दशहरा के दौरान रथ परिक्रमा से जुड़ी दुर्घटना में मृत व्यक्ति के परिवार को 1 करोड़ रुपये मुआवजा देने तथा घायल परिवारों में से प्रत्येक के एक सदस्य को चतुर्थ श्रेणी शासकीय नौकरी देने का प्रस्ताव पारित किया गया। पीड़ित परिवार के परिजनों ने समाज प्रमुखों को ज्ञापन सौंपा है। बैठक में निर्णय लिया गया कि 26 अक्टूबर को मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर मांगों से अवगत कराया जाएगा। साथ ही आगामी दशहरा में रथ खींचने वाले ग्रामीणों और कारीगरों का बीमा कराने की मांग भी उठाई गई।

जोगी और कारीगरों को वापस भेजने पर आपत्ति

बैठक में इस वर्ष जोगी को घर वापस भेजने, रथ निर्माण से जुड़े कारीगरों को समय से पहले लौटाने तथा राष्ट्रपति के बस्तर प्रवास के दौरान काछन देवी परंपरा से जुड़ी पीहूदास से मुलाकात नहीं होने के मुद्दे पर भी असहमति जताई गई। समाज ने इन घटनाओं को परंपराओं और स्थानीय प्रतिनिधित्व से जुड़ी चिंता का विषय बताया।इसके अलावा मावली परघाव की निर्धारित तिथि पर आयोजन नहीं होने के संबंध में भी चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि पारंपरिक धार्मिक आयोजनों में मांझी-चालकी और स्थानीय समाज के प्रतिनिधियों की सहमति तथा भूमिका का सम्मान किया जाना चाहिए।



दशहरा समिति में पारंपरिक प्रतिनिधित्व की मांग

बैठक में निर्णय लिया गया कि दशहरा समिति के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष पदों पर मांझी-चालकी और बस्तरिया मूलनिवासी समाज के पारंपरिक प्रतिनिधियों की भूमिका सुनिश्चित की जाए। समिति में मांझी-चालकी तथा सर्व आदिवासी मूलनिवासी समाज के समाज प्रमुखों को शामिल करने की मांग की गई। समाज ने कहा कि आगामी दशहरा की कार्यक्रम रूपरेखा संभाग के सभी परगना मांझियों और मूलनिवासी समाज के समन्वय से तैयार होनी चाहिए।

मंदिर समिति में भी प्रतिनिधित्व की मांग

बैठक में दंतेश्वरी मंदिर समिति में बस्तरिया मूलनिवासी समाज के प्रतिनिधियों को सदस्य बनाने, आगामी संभागीय बैठक सिरहासार भवन में आयोजित करने तथा सभी मांझी और संभागीय पदाधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया।संभागीय अध्यक्ष प्रकाश ठाकुर ने कहा कि बस्तर दशहरा की परंपराओं और पारंपरिक समाज की भूमिका की अनदेखी स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि मांगों की अवहेलना होने पर समाज आंदोलन शुरू करने के लिए बाध्य होगा। बैठक में प्रकाश ठाकुर, हिडमो मांडवी, दिनेश यादव, बलराम मांझी, लक्ष्मण कश्यप, पप्पू राम नाग, बलदेव मौर्य, लोकनाथ नागा, एन.एस. सेवता, रघुवंश यादव, डॉ. जीवन सलाम, गंगा नागा, संतु मौर्य, राजेंद्र मांझी, माखनलाल शोरी, बसंत कश्यप, तुलसी मंडावी, नीलकंठ ठाकुर, लखेश्वर कश्यप, बनसिंह मौर्य, लक्ष्मीनाथ कश्यप, कमलेश कश्यप, वट्टी पांडु सहित विभिन्न समाजों के पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित थे।

प्रत्येक पंचायत से 21 सौ हस्ताक्षर एकत्रित करने रखा लक्ष्य

गौहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने एकजुट हुए गौ सेवक

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर



गौ सम्मान आह्वान अभियान की संभाग स्तरीय बैठक रविवार को माहेश्वरी भवन में आयोजित किया गया। परम पूज्य गोपाल नंद सरस्वती जी के मार्गदर्शन में आयोजित इस बैठक में बस्तर संभाग के सातों जिलों से 3 सौ से अधिक गौसेवक एवं अभियान के कार्यकर्ता उपस्थित हुए। बैठक में 17

- गौ मंत्रालय के गठन एवं गौमाता को राष्ट्रमाता का संवैधानिक दर्जा दिलाने की मांग

दिसंबर को अधिक से अधिक संख्या में रायपुर पहुंचने का आह्वान करते हुए गौहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने, गौ मंत्रालय के गठन एवं गौमाता को राष्ट्रमाता का संवैधानिक दर्जा दिलाने की मांग पर चर्चा की गई। गौ सेवा, गौ रक्षा एवं गौ संवर्धन के संकल्प को सशक्त बनाने के उद्देश्य से गौ सम्मान आह्वान अभियान के तृतीय चरण की तैयारी के लिए बस्तर संभाग स्तरीय बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में गौमाता की सुरक्षा एवं सम्मान के लिए देशभर में गौहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने, गौ मंत्रालय का गठन करने तथा गौमाता को राष्ट्रमाता का संवैधानिक दर्जा दिलाने की मांगों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। साथ ही अभियान के आगामी चरण की रूपरेखा तैयार करते हुए अधिक से अधिक नागरिकों को अभियान से जोड़ने और हस्ताक्षर अभियान को व्यापक स्तर पर संचालित करने पर चर्चा की गई। इस अवसर पर बस्तर संभाग के साधु-संतों के साथ जिला प्रभारी मुन्ना बजरंगी, शैलेन्द्र साहू एवं दीपक पनपालिया सहित विभिन्न समाजों के प्रबुद्धजन तथा संभाग के सातों जिलों से आए गौसेवक उपस्थित रहे।

तीन चरणों में देशव्यापी हस्ताक्षर अभियान

बैठक में जानकारी दी गई कि गौ सम्मान आह्वान अभियान के प्रथम चरण में 27 अप्रैल 2026 को पूरे भारतवर्ष से लगभग 5.25 करोड़ हस्ताक्षर सौंपे गए। इसके पश्चात दूसरे चरण में देशभर से 15 करोड़ से अधिक हस्ताक्षर सौंपे जाने की जानकारी दी गई। अब अभियान के तृतीय चरण में पूरे भारतवर्ष से लगभग 31 करोड़ हस्ताक्षर एकत्रित करने का लक्ष्य रखा गया है। इन हस्ताक्षरों के माध्यम से गौमाता की सुरक्षा, सम्मान एवं संवर्धन से संबंधित मांगों को व्यापक जनसमर्थन के साथ शासन-प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।



प्रत्येक ग्रापं से कम से कम 2100 हस्ताक्षर का लक्ष्य

अभियान के तृतीय चरण के अंतर्गत देशभर की प्रत्येक ग्राम पंचायत से कम से कम 2100 हस्ताक्षर एकत्रित करने का आह्वान किया गया है। इसके लिए गांव-गांव में जनसंपर्क एवं जनजागरण अभियान चलाकर अधिक से अधिक नागरिकों को गौमाता की सुरक्षा एवं सम्मान के इस अभियान से जोड़ने की रूपरेखा पर चर्चा की गई।

17 दिसंबर को रायपुर पहुंचने का आह्वान

बैठक में आगामी 17 दिसंबर को रायपुर में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में अधिक से अधिक गौसेवकों एवं कार्यकर्ताओं को पहुंचकर अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया। अभियान के अंतर्गत एकत्रित हस्ताक्षरों एवं मांगपत्र को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार राज्य सचिवालय के माध्यम से देश के मुख्यमंत्रियों, राज्यपालों के अलावा प्रधानमंत्री एवं माननीय राष्ट्रपति के समक्ष प्रस्तुत करने की योजना है। बैठक में उपस्थित साधु-संतों, सामाजिक प्रतिनिधियों एवं गौसेवकों ने गौमाता की सेवा, सुरक्षा और संवर्धन के लिए समाज में जनजागरण बढ़ाने तथा प्रत्येक गांव, पंचायत और समाज तक अभियान का संदेश पहुँचाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

मुरिया दरबार में आदिवासी जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

प्रदेश कांग्रेस के संयुक्त महासचिव उमाशंकर शुक्ला ने बस्तर दशहरा के ऐतिहासिक मुरिया दरबार में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आगमन पर प्रकाशित आमंत्रण पत्र को लेकर कहा कि संभाग के आदिवासी जनप्रतिनिधियों और समाज प्रमुखों के नाम शामिल नहीं होने से उनकी भागीदारी को लेकर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने सरकार की कार्यप्रणाली पर आपत्ति जताते हुए कहा कि बस्तर की आदिवासी परंपरा से जुड़े इतने बड़े आयोजन में स्थानीय प्रतिनिधियों और समाज प्रमुखों को उचित स्थान मिलना चाहिए था, लेकिन बस्तर दशहरा के मुरिया दरबार को भारतीय जनता पार्टी का आयोजन बना दिया गया। उन्होंने कहा कि मुरिया दरबार बस्तर दशहरा की महत्वपूर्ण परंपरा है, जिसमें आदिवासी समाज की सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान जुड़ी है। जिसे राष्ट्रीय स्तर पर प्रर्दशित करने के लिए आदिवासी राष्ट्रपति को बुलाकर भारतीय जनता पार्टी अदिवासी हितैशी होने का ढोंग रची है, पूरा संचालन बस्तर दशहरा समिति के पदेन अध्यक्ष सांसद के माध्यम से किया जा रहा है, तो मुरिया दरबार के लिए जारी आमंत्रण पत्र संस्कृति विभाग छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जारी करना बस्तर दशहरा समिति एवं सांसद का अपमान है। कांग्रेस के बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल, बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी, कोंटा विधायक कवासी लखमा, एवं भानुप्रतापपुर विधायक सावित्री मंडावी का नाम शामिल नही करना बस्तर दशहरा के मुरिया दरबार को भारतीय जनता पार्टी का आयोजन बनाने को प्रमाणित करता है।



भारतीय जनता पार्टी के आदिवासी जनप्रतिनिधियों में कांकेर सांसद भोजराज नाग, चित्रकोट विधायक विनायक गोयल, दंतेवाड़ा विधायक चैतराम अटामी, कोंडागांव विधायक लता उसेंडी, केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम, कांकेर विधायक आसाराम नेताम और अंतागढ़ विधायक विक्रम उसेंडी का नाम आमंत्रण पत्र में शामिल नही करना बस्तर के आदिवासी जनप्रतिनिधियों को बस्तर दशहरा के मुरिया दरबार से दरकिनार करना बस्तर के आदिवासी जनप्रतिनिधियों का अपमान है। वहीं संस्कृति विभाग के मंत्री राजेश अग्रवाल को अतिथि बनाया जाना हास्यास्पद है।

नानगुर ब्लॉक में कांग्रेस का प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर



प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर वोट बचाओ,देश बचाओ अभियान के तहत ब्लॉक कांग्रेस कमेटी नानगुर ने जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष सुशील मौर्य के नेतृत्व में कार्यक्रम प्रभारी पूर्व विधायक चंदन कश्यप की उपस्थिति में मुख्य चुनाव

- मुख्य निर्वाचन आयुक्त का किया पुतला दहन
- नानगुर तहसील तक निकाला मार्च राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

आयुक्त ज्ञानेश कुमार के पक्षपातपूर्ण रवैये,चुनावी अनियमितताओं की अनदेखी एवं लोकतंत्र विरोधी कार्यशैली के विरोध में इस्तीफे की मांग को लेकर ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन किया। साथ ही नानगुर सीएसईबी चौंक से लेकर तहसील कार्यालय तक मार्च कर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया। मौर्य ने कहा भारत का निर्वाचन आयोग लोकतंत्र का प्रमुख स्तंभ रहा है, परंतु वर्तमान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के कार्यकाल में इसकी साख, स्वायत्तता और निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। आज देश के विभिन्न क्षेत्रों से मतदाता सूचियों में बड़े पैमाने पर धांधली और वैध मतदाताओं के नाम मनमाने ढंग से काटे जाने (वोट चोरी) की शिकायतें सामने आ रही हैं। वहीं सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के नेताओं द्वारा आचार संहिता के खुले उल्लंघन पर आयोग द्वारा ढिलाई बरती जाती है, जिससे चुनाव आयोग की निष्पक्षता समाप्त हो चुकी है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूचियों में अनियमितताओं, वैध मतदाताओं के नाम हटाए जाने तथा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान सामने आई शिकायतों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। कांग्रेस पार्टी की स्पष्ट मुख्य मांगे है की निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया का विश्वास बहाल करने हेतु मुख्य चुनाव आयुक्त अपने पद से तत्काल इस्तीफा दें। पूर्व विधायक ने कहा मुख्य निर्वाचन आयुक्त अपने पद से तत्काल इस्तीफा दें। मुख्य निर्वाचन आयुक्त एवं अन्य निर्वाचन आयुक्त अधिनियम, 2023 को निरस्त किया जाए तथा नियुक्ति प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाया जाए। एसआईआर के दौरान सामने आई कथित अनियमितताओं और पात्र मतदाताओं के नाम काटे जाने की शिकायतों की स्वतंत्र न्यायिक जांच कराई जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम प्रशासनिक लापरवाही के कारण मतदाता सूची से बाहर न हो। प्रदर्शन के दौरान पूर्व विधायक रेखचंद जैन, पूर्व महापौर जतिन जायसवाल,नेता प्रतिपक्ष राजेश चौधरी, जिला उपाध्यक्ष लेखन बघेल, ब्लॉक अध्यक्ष संतोष सेठिया, फूलसिंह बघेल,महामंत्री अभिषेक नायडू,नीतीश शर्मा, महिला कांग्रेस अध्यक्ष लता निषाद,किसान कांग्रेस अध्यक्ष दयाराम कश्यप, अनवर खान,हेमू उपाध्याय,सेमीयल नाथ, राजेश कश्यप, गणेश सेठिया, विजेंद्र ठाकुर, चमन देहारी मौजूद रहे।



वीआईपी रोड पर बीच सड़क पर लगता है संडे बाजार, निगम प्रशासन मौन

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

शहर की प्रमुख सड़कों में शामिल वीआईपी रोड पर हर रविवार लगने वाला साप्ताहिक बाजार लोगों के लिए परेशानी का कारण बन गया है। कांग्रेस भवन से धरमपुरा जाने वाली इस मुख्य सड़क के बीचोंबीच बाजार लगने से आवागमन बाधित होता है और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। हैरानी की बात यह है कि इस मार्ग से कई वीआईपी लोगों का आना-जाना होता है, इसके बावजूद सड़क पर लगने वाले बाजार की समस्या को लेकर जिम्मेदारों की चुप्पी नहीं टूट रही है।साप्ताहिक बाजार के कारण सड़क का बड़ा हिस्सा घिर जाता है। इससे वाहन चालकों को निकलने में दिक्कत होती है और कई बार यातायात प्रभावित होता है। रविवार को इस मार्ग से गुजरने वाले लोगों को बाजार के बीच से रास्ता तलाशना पड़ता है। मुख्य सड़क पर बाजार लगने से न केवल यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है, बल्कि दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है।

- कांग्रेस भवन से धरमपुरा जाने वाली मुख्य सड़क पर आवागमन बाधित

बस्तरिया राज मोर्चा का फर्जी पट्टे निरस्त करने और कर्ज माफी को लेकर आंदोलन का ऐलान

वनाधिकार पट्टा और सूखा राहत को लेकर 5 नवंबर को हल्लाबोल

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोंटा

कोंटा ब्लॉक मुख्यालय के बस्तरिया राज मोर्चा के पदाधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार सुकमा मुख्यालय में बस्तरिया राज मोर्चा द्वारा 5 नवंबर को विशाल धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। रविवार 25 अक्टूबर को मोर्चा के संयोजक मनीष कुंजाम के नेतृत्व में जिला कमेटी की प्रमुख बैठक रखी गई। इसमें बस्तरिया राज मोर्चा के जिले भर के प्रमुख पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में वनाधिकार पट्टा, फर्जी पट्टा निरस्त करने, सूखा राहत और किसानों का कर्जा माफ करने की मांग को लेकर 5 नवंबर को सुकमा जिला मुख्यालय में होने वाले विशाल धरना प्रदर्शन को लेकर ठोस रणनीति बनाई गई। सुकमा स्थित मोर्चा कार्यालय में आयोजित यह बैठक सोड़ी हांदा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस अवसर पर



मोर्चा संयोजक मनीष कुंजाम, कवासी हांदा, आर. नेगी, आराधना मरकाम, महेश कुंजाम, लीना ओयामी, राजेश नाग, हड़मा मरकाम, कमला रमन्ना, इरफान खान, माड़वी हिरमा, रमणा राव, राजू कवासी, सोमनाथ कवासी सहित बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मूल निवासियों के हक पर चिंता

बैठक में जिले के मूलवासियों को वनाधिकार कानून 2006 के तहत वन भूमि का पट्टा नहीं मिलने और मूल किसानों की कृषि भूमि पर बाहरी व्यक्तियों द्वारा कथित रूप से अवैध पट्टा बनवाकर उन्हें जमीन के मालिकाना हक से वंचित करने के मामले पर गहरी चिंता जताई गई। वहीं कोंटा ब्लॉक में कम बारिश के कारण किसानों की फसल को हो रहे भारी नुकसान पर भी विस्तार से चर्चा की गई। मोर्चा ने मांग की है कि वनाधिकार अधिनियम 2006 के तहत पात्र परिवारों को व्यक्तिगत एवं सामुदायिक वनाधिकार पट्टा दिया जाए तथा व्यक्तिगत पट्टे के मामले में प्रति परिवार 10 एकड़ भूमि दी जाए। इसके साथ ही सुकमा जिले के तीनों ब्लॉक कोंटा, सुकमा और छिंदगढ़ में फर्जी पट्टों की जांच कर उन्हें तत्काल निरस्त किया जाए तथा जमीन पर वर्तमान में काबिज मूल किसानों को मालिकाना हक दिया जाए।

सूखाग्रस्त घोषित करने की मांग

मोर्चा ने कोंटा ब्लॉक के चिन्हित ग्रामों को सूखाग्रस्त क्षेत्र घोषित कर तत्काल राहत कार्य शुरू करने और किसानों का कर्जा माफ करने की मांग उठाई है। सुकमा जिले के तीनों ब्लॉक में बाढ़ और कम बारिश के कारण प्रभावित किसानों की फसलों का सर्वे कराकर उचित मुआवजा देने पर जोर दिया गया है। पदाधिकारियों ने कहा कि इन प्रमुख मुद्दों को लेकर जिले के मूल निवासी और किसान लंबे समय से समस्याओं का सामना कर रहे हैं। कम बारिश के कारण कोंटा ब्लॉक में किसानों की परेशानी और बढ़ गई है। प्रशासन इन समस्याओं पर गंभीरता से ध्यान दे और प्रभावित किसानों को राहत पहुंचाए, अन्यथा मांगें पूरी होने तक लड़ाई लड़ी जाएगी।

